DOWNLOADED FROM WWW.STUDIESTODAY.COM DOWNLOADED FROM WWW.STUDIESTODAY.COM

विनिर्माण उद्योग

सारांश :–

1. विनिर्माण का महत्व :–

विनिर्माण उद्योग सामान्यतः विकास तथा आर्थिक विकास की रीढ समझे जाते है।

– कृषि के आधुनिकीकरण में सहायक

– कृषि में रोजगार की निर्भरता कम करता है।

– गरीबी तथा बेरोज़गारी उन्मूलन में सहायक

– क्षेत्रीय असमानताओं को कम करते हैं।

– वाणिज्य व्यापार को बढावा।

– विकसित देश बनाने में सहायक

2. लोहा तथा इस्पात उद्योग :–

एक आधारभूत उद्योग सभी भारी, हल्के, माध्यम उद्योग इनसे बनी मशीनरी पर निर्भर है। इस्पात के उत्पादन तथा खपत को प्रायः एक देश के विकास का पैमाना माना जाता है। इस उद्योग के लिए कच्चा माल लौह अयस्क कोकिंग कोल तथा चूना पत्थर का अनुपात 4:2:1: है। कठोर बनाने के लिए मैगनीज़ की आवश्यकता है। निर्मित माल को बाज़ार तक पहुँचाने के लिए सक्षम परिवहन की आवश्यकता है। सार्वजनिक क्षेत्रा के सभी उपक्रम अपने इस्पात को स्टील अथरिटी ऑफ इंडिया (**SAIL**) जबकि टिस्को **TISCO** टाटा स्टील के नाम से उत्पाद को बेचती है। लोहा इस्पात उद्योग का पूर्ण समान्य का विकास नहीं कर पायें जिसके निम्नलिखित कारण है।

– उच्च लागत तथा कोकिंग कोयले की सिमित उपलब्धता

– कम श्रमिक उत्पादकता

– ऊर्जा की अनियमित अपूर्ति

– अविकसित अवसंरचना

3. औद्योगिक प्रदूषण तथा पर्यावरण निम्नीकरण

यद्यपि उद्योगों की हमारी अर्थ व्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है पर यह प्रदूषण को भी बढावा देते है।

– वायु प्रदूषण :– अधिक अनुपात में गैसों की उपस्थिति सल्फर डाइऑक्साइड तथा कार्बन मोनोऑक्साइड वायु प्रदूषण का कारण है। वायु में निलंबित कणनुमा पदार्थ, घूले, स्प्रे, कुहासा तथा धुआँ। वायु प्रदूषण मानव स्वास्थ्य पशुओं पौधों, इमारत तथा पूरे पर्यावरण पर दुष्प्रभाव डालती है।

– जल–प्रदूषण उद्योगों द्वारा कार्बनिक तथा अकार्बनिक अपशिष्ट पदार्थों के नदी में छोडने से जल प्रदूषण फैलता है। कुछ उद्योग है जो रंग अपमार्जक अम्ल, लवण तथा भारी धातुएँ, कृत्रिाम रसायन आदि जल में वांछित करते है।

– तापीय प्रदूषण :– परमाणु ऊर्जा संयत्राों के अपशिष्ट व परमाणु शस्त्रा उत्पादक

DOWNLOADED FROM WWW.STUDIESTODAY.COM DOWNLOADED FROM WWW.STUDIESTODAY.COM

DOWNLOADED FROM WWW.STUDIESTODAY.COM DOWNLOADED FROM WWW.STUDIESTODAY.COM

कारखानों से केंसर जन्मजात विकार तथा अकाल प्रसव जैसी बिमारियां होती है।

– ध्वनि प्रदूषण :– ध्वनि प्रदूषण से खिन्नता तथा उत्तेजना ही नही बरन् श्रवण असक्षमता, हदयगति, रक्तचाप तथा अन्य कायिक व्यथाएँ भी बढती है।

4. पर्यावरणीय निम्नीकरण की रोकथाम :–

– जल को दो या अधिक अवस्थाओं में पुनचर्क्रण द्वारा पुनः उपयोग।

– पदार्थों को प्रवाछित करने से पहले उनका शोधन करें जिस के तीन चरण :–

(i) यांत्रिाक साधनों द्वारा प्राथमिक शोधन

(ii) जैविक प्रक्रियाओं द्वारा द्वितीयक शोधन

(iii) जैविक, रसायनिक तथ भौतिक द्वारा तृतियक शोधन

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :–

1. देश के आर्थिक विकास में उद्योगों का क्या योगदान है। विवेचना करें।

2. लोहा इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग क्यों कहा जाता है?

3. लोहा इस्पात उद्योग में कौन सा कच्चा माल प्रयोग होता है?

4. पर्यावरणीय निम्नीकरण में औद्योगिक विकास किस प्रकार बढावा देता है अलोचनात्मक विवेचना करें।

5. पर्यावरण निम्नीकरण को कम करने के सुझाव दें।

6. कौन सी ऐजेंसी सार्वजनिक क्षेत्रा में स्टील को बाज़ार उपलब्ध करती है।

www.studiestoday.com

DOWNLOADED FROM WWW.STUDIESTODAY.COM DOWNLOADED FROM WWW.STUDIESTODAY.COM